SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-04| Issue-01| September- 2026
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI: - https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v4i1.12

FLN ;Foundational Literacy and Numeracy) प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों द्वारा प्रयुक्त शिक्षण-पद्धतियों का पूर्व-माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

सरिता यदु[1], डॉ. ईश्वर प्रसाद यदु[2]
[1]शोधार्थी, शिक्षा विभाग, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, (छ.ग.
[2]गाईड (विभागाध्यक्ष), शिक्षा विभाग, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, (छ.ग.)
[1]Email: saritayadu9@gmail.com, [2]Email: ishwaryadu86@gmail.com

सारांश

Foundational Literacy and Numeracy (FLN) अर्थात् आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान वर्तमान भारतीय स्कूली शिक्षा व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक लक्ष्यों में से एक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने यह स्पष्ट किया कि यदि विद्यार्थी प्रारंभिक कक्षाओं में पढ़ने, समझने, लिखने तथा मूलभूत गणितीय अवधारणाओं को प्रभावी रूप से अर्जित नहीं कर पाते, तो आगे की शिक्षा में उनकी प्रगति प्रभावित हो सकती है। इसी दृष्टिकोण के आधार पर भारत सरकार द्वारा जुलाई 2021 में NIPUN Bharat Mission प्रारंभ किया गया, जिसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों में Grade - 3 के अंत तक आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान सुनिश्चित करना है।

FLN केवल अक्षर पहचानने, शब्द पढ़ने अथवा संख्याओं की गणना करने तक सीमित अवधारणा नहीं है। इसमें भाषा की समझ, मौखिक अभिव्यक्ति, पठन प्रवाह, पठन-बोध, लेखन, संख्या-बोध, संख्याओं की तुलना, मूलभूत संक्रियाएँ, मापन, पैटर्न, भिन्न तथा दैनिक जीवन में गणितीय अवधारणाओं के प्रयोग जैसी क्षमताएँ सम्मिलित हैं। NCERT द्वारा आयोजित Foundational Learning Study (FLS) 2022 में इन्हीं प्रकार की foundational literacy और numeracy competencies का बड़े स्तर पर आकलन किया गया। अध्ययन में लगभग 86,000 Grade 3 विद्यार्थियों तथा 18,000 से अधिक शिक्षकों से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई।

मुख्य शब्दः *FLN, Foundational Literacy, Foundational Numeracy, NIPUN Bharat, शिक्षक प्रशिक्षण, अध्ययन कौशल, पठन-बोध, संख्याज्ञान, शिक्षण-पद्धति, प्रारंभिक शिक्षा।*

1. प्रस्तावना

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और मानवीय विकास की आधारशिला है। विद्यालयी शिक्षा में प्रारंभिक वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि इसी अवधि में बच्चे भाषा, संख्या, तार्किक सोच, सामाजिक व्यवहार और सीखने की मूलभूत आदतों का विकास करते हैं। यदि प्रारंभिक अवस्था में इन क्षमताओं की पर्याप्त नींव नहीं बनती, तो आगे चलकर विद्यार्थी पाठ्यक्रम की जटिल अवधारणाओं को समझने में कठिनाई अनुभव कर सकते हैं।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में foundational learning की चुनौती और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अलग-अलग सामाजिक, आर्थिक, भाषाई और भौगोलिक परिस्थितियों से आने वाले बच्चे विद्यालय में प्रवेश करते हैं। कुछ बच्चों को घर में सीखने का समृद्ध वातावरण प्राप्त होता

है, जबकि कुछ बच्चों के पास सीमित शैक्षिक संसाधन होते हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले व्यक्ति की नहीं, बल्कि learning facilitator की हो जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने foundational literacy and numeracy को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया। नीति के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर Foundational Literacy and Numeracy Mission की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। इसके बाद NIPUN Bharat Mission प्रारंभ हुआ।

NIPUN Bharat का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक कक्षाओं के अंत तक पढ़ने, समझने और मूलभूत गणितीय क्षमताओं में अपेक्षित दक्षता प्राप्त कर सके। NIPUN Bharat के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण component माना गया है। Guidelines में FLN स्तर पर कार्य करने वाले शिक्षकों के लिए customized training package, pedagogical approaches early language, literacy, early numeracy, assessment तथा बच्चों की विविध learning needs से संबंधित प्रशिक्षण की बात कही गई है।

इस संदर्भ में यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है कि केवल FLN प्रशिक्षण प्राप्त कर लेना क्या विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल में सुधार के लिए पर्याप्त है? वास्तव में शिक्षक प्रशिक्षण तभी सार्थक होता है जब प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का classroom practice में प्रभावी रूपांतरण हो।

2. FLN की संकल्पना

FLN का अर्थ Foundational Literacy and Numeracy अर्थात् आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान है।

आधारभूत साक्षरता

आधारभूत साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ना और लिखना सीखना नहीं है। इसमें निम्नलिखित क्षमताएँ शामिल होती हैं —

- मौखिक भाषा की समझ।
- ध्वनि एवं अक्षर संबंध की समझ।
- शब्द पहचान।
- वाक्य पठन।
- पठन प्रवाह।
- पठन-बोध।
- प्रश्नों का उत्तर देना।
- अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त करना।
- सरल वाक्यों एवं अनुच्छेदों का लेखन।
- संदर्भ के अनुसार भाषा का प्रयोग।

NCERT के Foundational Learning Study में oral language comprehension, phonological awareness, decoding, reading comprehension तथा oral reading fluency जैसे literacy components का आकलन किया गया था।

2.2 आधारभूत संख्याज्ञान

Foundational Numeracy में संख्या की पहचान एवं समझ से लेकर दैनिक जीवन में गणितीय सोच का उपयोग करने तक की क्षमताएँ सम्मिलित होती हैं।

इसके प्रमुख घटक हैं—

- संख्या पहचान
- संख्या तुलनासंख्या क्रम
- जोड
- घटाव
- गुणा
- भाग
- मापन
- भिन्न की प्रारंभिक समझ
- पैटर्न
- डेटा की प्रारंभिक समझ
- दैनिक जीवन की समस्याओं का गणितीय समाधान।

FLS 2022 में foundational numeracy के अंतर्गत number identification and comparison, operations, multiplication and division facts, measurement, fractions, patterns तथा data handling जैसी क्षमताओं को शामिल किया गया।

3. NIPUN Bharat और FLN शिक्षक प्रशिक्षण

भारत सरकार ने NIPUN Bharat Mission को जुलाई 2021 में प्रारंभ किया। इसका उद्देश्य Grade 3 के अंत तक बच्चों को foundational literacy and numeracy की आवश्यक दक्षताएँ प्रदान करना है। वर्तमान NIPUN Bharat framework में teacher capacity building, teaching & learning materials, student assessment और mentoring को mission implementation के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में देखा गया है।

4. शिक्षक प्रशिक्षण की भूमिका

शिक्षक किसी भी शिक्षा नीति के classroom & level implementation का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। नीति और curriculum की प्रभावशीलता काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक उसे किस प्रकार समझता और लागू करता है।

NIPUN Bharat Guidelines में teacher training के साथ action research तथा low-cost innovative Teaching Learning Materials (TLM) विकसित करने की दिशा में भी जोर दिया गया है।

5. विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल की अवधारणा

अध्ययन कौशल से आशय उन क्षमताओं से है जिनके माध्यम से विद्यार्थी किसी विषय-वस्तु को पढ़ता, समझता, याद करता, उसका विश्लेषण करता और उसे नए संदर्भों में प्रयोग करता है।

प्राथमिक एवं प्रारंभिक स्तर पर study skills के प्रमुख घटक निम्न हैं—

पठन कौशल

विद्यार्थी शब्दों एवं वाक्यों को सही ढंग से पढ़ सके तथा पढ़ी गई सामग्री का अर्थ समझ सके।

पठन-बोध

पढ़े गए पाठ से तथ्य निकालना, मुख्य विचार पहचानना, प्रश्नों का उत्तर देना तथा अनुमान लगाना reading comprehension का हिस्सा है।

लेखन कौशल

विद्यार्थी अपने विचारों को स्पष्ट एवं क्रमबद्ध रूप से लिख सके, यह अध्ययन कौशल का महत्वपूर्ण भाग है।

संख्यात्मक सोच

विद्यार्थी संख्याओं को केवल याद न करे बल्कि उनके बीच संबंध समझे और वास्तविक परिस्थितियों में उनका प्रयोग कर सके।

6. शिक्षक की शिक्षण-पद्धति और विद्यार्थी के अध्ययन कौशल के बीच संबंध

FLN training के बाद शिक्षक की pedagogy में परिवर्तन अपेक्षित है। यदि शिक्षक पहले की तरह केवल textbook reading, copying और rote memorisation पर निर्भर रहता है, तो FLN training का संभावित प्रभाव सीमित रह सकता है।

7. खेल-आधारित अधिगम

खेल बच्चों के लिए केवल मनोरंजन का साधन नहीं है बल्कि learning का प्रभावी माध्यम भी हो सकता है।

उदाहरण के लिए number cards से matching game के माध्यम से संख्या पहचान कराई जा सकती है। इसी प्रकार word cards का उपयोग शब्द निर्माण के लिए किया जा सकता है।

8. मातृभाषा एवं स्थानीय भाषा की भूमिका

भारत भाषाई विविधता वाला देश है। प्रारंभिक शिक्षा में बच्चे की परिचित भाषा का उपयोग उसकी समझ को बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

NEP 2020 ने प्रारंभिक वर्षों में home language/mother tongue/local language/regional language के महत्व पर बल दिया है।

9. Foundational Learning Study 2022 का महत्व

NCERT द्वारा आयोजित Foundational Learning Study 2022 भारत में foundational learning की स्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण national-level assessment था। अध्ययन लगभग 10,000 schools में किया गया और लगभग 86,000 Grade 3 students तथा 18,000 से अधिक teachers से संबंधित information प्राप्त की गई।

10. शोध की आवश्यकता

भारत में FLN को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर policy initiatives और assessment programmes संचालित हो रहे हैं। FLS 2022 ने foundational learning की स्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण baseline evidence उपलब्ध कराया।

फिर भी केवल national assessment से यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं होता कि शिक्षक training classroom pedagogy को किस स्तर तक प्रभावित करती है।

इसलिए निम्न प्रश्नों पर अध्ययन की आवश्यकता है—

- FLN trained teachers किस प्रकार की teaching methods का प्रयोग करते हैं?
- क्या training के बाद activity-based pedagogy का उपयोग बढ़ता है?
- क्या शिक्षक formative assessment को अधिक प्रभावी रूप से उपयोग करते हैं?
- क्या multilingual teaching strategies का प्रयोग बढ़ता है?
- क्या TLM का classroom use बढ़ता है?
- क्या students की reading comprehension और numeracy reasoning में improvement दिखाई देती है?
- किन institutional factors के कारण training का classroom implementation कमजोर होता है?

11. शोध समस्या

"FLN (Foundational Literacy and Numeracy) प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों द्वारा प्रयुक्त शिक्षण-पद्धतियों का पूर्व-माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।"

12. शोध के उद्देश्य

इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

- FLN की संकल्पना एवं इसके प्रमुख घटकों का अध्ययन करना।
- FLN प्रशिक्षित शिक्षकों की प्रमुख pedagogical practices का विश्लेषण करना।
- विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल के प्रमुख आयामों की पहचान करना।
- शिक्षक प्रशिक्षण और classroom teaching practices के बीच संबंध का अध्ययन करना।
- FLN आधारित teaching practices और विद्यार्थियों के learning skills के संभावित संबंध का विश्लेषण करना।
- Activity-based तथा play&based learning की भूमिका का अध्ययन करना।
- FLN में formative assessment के महत्व का विश्लेषण करना।
- teaching&learning materials के उपयोग की भूमिका का अध्ययन करना।
- multilingual/local&language pedagogy के महत्व का विश्लेषण करना।
- FLN implementation को प्रभावी बनाने के लिए सुझाव प्रस्तुत करना।

13. विश्लेषण की प्रक्रिया

दस्तावेजों और उपलब्ध literature को निम्न themes के आधार पर analyse किया गया—

- शिक्षक प्रशिक्षण

- FLN (आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान) शिक्षण-पद्धति
- साक्षरता कौशल
- संख्याज्ञान कौशल
- अध्ययन कौशल
- मूल्यांकन
- शिक्षण-अधिगम सामग्री
- बहुभाषी शिक्षा
- शिक्षक मार्गदर्शन एवं परामर्श
- कक्षा-कक्षीय क्रियान्वयन/कक्षा में कार्यान्वयन

यह paper primarily secondary evidence पर आधारित है। इसलिए इससे किसी विशेष जिले या विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए statistically generalised causal effect का दावा नहीं किया गया है।

14. अभिभावक और समुदाय की भूमिका

FLN केवल विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं है। घर में भी बच्चों के साथ reading, storytelling, counting और बातचीत की activities की जा सकती हैं।

अभिभावक निम्न कार्य कर सकते हैं —

- बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाना।
- बच्चों से कहानी के बारे में प्रश्न पूछना।
- घर की वस्तुओं से counting कराना।
- बाजार में वस्तुओं की कीमतों से basic mathematics समझाना
- calendar देखकर दिन एवं तारीख समझाना।
- स्थानीय भाषा में बातचीत एवं storytelling करना।

NIPUN Bharat planning framework में multi&stakeholder communication और community participation को भी mission implementation का हिस्सा माना गया है।

15. अध्ययन की सीमाएँ

प्रस्तुत अध्ययन secondary sources पर आधारित है। इसलिए इसमें किसी विशेष क्षेत्र, जिले या विद्यालय के FLN trained तथा non-trained teachers के बीच प्रत्यक्ष statistical comparison नहीं किया गया है।

16. निष्कर्ष

FLN भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था के लिए केवल एक programme नहीं बल्कि learning foundation को मजबूत करने की व्यापक रणनीति है। NEP 2020 तथा NIPUN Bharat ने foundational literacy and numeracy को national educational priority

के रूप में स्थापित किया है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि FLN teacher training की वास्तविक सफलता training programme की अवधि या प्रमाणपत्र से नहीं बल्कि classroom practice में दिखाई देने वाले परिवर्तन से निर्धारित होनी चाहिए।

संदर्भ सूची

- भारत सरकार। (2020) - राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार - (2021)। निपुण भारतः समझ के साथ पठन एवं संख्याज्ञान में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल - कार्यान्वयन हेतु दिशा-निर्देश। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार - (2021) - निपुण भारत मिशन। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्। (2022)। आधारभूत अधिगम अध्ययन (एफ.एल.एस.), 2022। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- पारख, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्। (2022)। आधारभूत अधिगम अध्ययन। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,नई दिल्ली।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार - (2022) - आधारभूत अधिगम अध्ययन, 2022ः राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतिवेदन। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् - (2022) - वार्षिक प्रतिवेदन, 2021-22 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् — केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान। (2021-2026) - निष्ठाः विद्यालय प्रमुखों एवं शिक्षकों के समग्र उन्नयन के लिए राष्ट्रीय पहल। केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार - (2021) - विद्या प्रवेशः कक्षा-1 के लिए तीन माह का खेल-आधारित विद्यालय तैयारी मॉड्यूल - दिशा-निर्देश। भारत सरकार।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (2021) - राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, 2021 - स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार।
- भारत सरकार - (2009) - बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 - विधि एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार।
- यूनेस्को - (2017) - विश्वभर में आधे से अधिक बच्चे एवं किशोर अधिगम नहीं कर रहे हैं। यूनेस्को सांख्यिकी संस्थान।
- विश्व बैंक - (2019) - अधिगम गरीबी का अंतः इसके लिए क्या आवश्यक होगा? विश्व बैंक, वाशिंगटन डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका।
- यूनिसेफ - (2021)। आधारभूत अधिगम एवं कौशल विकास। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष।
- घाटक, एन., झा, जे., एवं चैधरी, आर - (2022) - भारत में आधारभूत अधिगम के पाठ्यचर्या।

Cite the Article:

यदु, सरिता, यदु, डा. ईश्वर प्रसाद. (2026). FLN ;Foundational Literacy and Numeracy प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों द्वारा प्रयुक्त शिक्षण-पद्धतियों का पूर्व-माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के अध्ययन कौशल पर प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन.. Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, 4(1) 109-116, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 04, Issue 01, September-2026. **DOI:** - https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v4i1.12

Disclaimer/Publisher's Note: The views, findings, and opinions expressed in this publication are solely those of the author(s). The publisher and editorial team are not responsible for any errors, claims, or consequences arising from the use of the published content.